**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्‍कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 696

उत्‍तर देने की तारीख: 27.07.2015

**ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता का स्तर**

**696. श्री राजीव चन्द्रशेखरः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय ने अद्यतन सामाजिक, आर्थिक और जाति आधारित जनगणना के निष्कर्षों पर गौर किया है जिसमें उल्लिखित है कि ग्रामीण भारत में 35.73 प्रतिशत साक्षर प्रौढ़ों में से 13.9 प्रतिशत ने प्राथमिक स्तर से भी कम स्तर की साक्षरता दर्ज की है;

(ख) पिछले तीन दशकों के दौरान साक्षरता उपायों पर मंत्रालय द्वारा किए गए कुल व्यय का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मंत्रालय यह स्वीकार करता है कि स्वतंत्रता के 68 वर्ष बाद और खर्च किए गए करोड़ों रुपयों के बावजूद साक्षरता का स्तर अत्यंत कम है; और

(घ) साक्षरता के स्तर को बढ़ाने के लिए मंत्रालय द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**(श्रीमती स्‍मृति ज़ूबिन इरानी)**

(क) : सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना-2011 में देश के ग्रामीण क्षेत्रों में निरक्षरों का प्रतिशत 35.73 और प्राथमिक स्‍तरों से नीचे साक्षरों का प्रतिशत 13.9 बताया गया है। हालांकि, वर्ष 2011 की जनगणना में ग्रामीण क्षेत्रों में निरक्षरों का प्रतिशत 32.23 बताया गया। जनगणना के अनुसार 7 वर्ष और उससे ऊपर की आयु का कोई व्‍यक्ति जो समझबूझ के साथ किसी भाषा में लिख-पढ़ सकता है वह साक्षर माना जाता है।

(ख) और (ग): छठी पंचवर्षीय योजना (1980-85) से ग्‍यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2007-12) तक प्रारंभिक शिक्षा और प्रौढ़ शिक्षा पर हुए योजनावार व्‍यय का ब्‍यौरा दर्शाने वाला विवरण संलग्‍न है। जनगणना रिपोर्टों के अनुसार आजादी के बाद साक्षरता दरों में लगातार सुधार हुआ है जोकि सन् 1951 की साक्षरता दर 18.33 प्रतिशत से बढ़कर सन् 2011 में 72.98 प्रतिशत हो गई है।

(घ): भारत सरकार के दो प्रमुख हस्‍तक्षेप अर्थात प्रारं‍भिक शिक्षा के सर्वसुलभीकरण के लिए सर्व शिक्षा अभियान और प्रौढ़ो के लिए केन्‍द्र प्रायोजित योजना, साक्षर भारत, साक्षरता में कारगर सुधार लाने में सहायक है। सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) का कार्यान्‍वयन 6-14 के आयु समूह के सभी बच्‍चों के लिए सर्वसुलभ प्रारम्भिक शिक्षा के लिए किया जा रहा है। साक्षर भारत 26 राज्‍यों और एक संघ राज्‍य क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों के उन 410 क्षेत्रों में लागू किया जा रहा है 2001 की जनगणना के अनुसार जिनकी प्रौढ़ महिला साक्षरता दर 50 प्रतिशत या उससे कम है जिसमें साक्षरता दरों में बिना भेदभाव वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिले शामिल हैं। इस योजना का लक्ष्‍य लाभवंचित समूहों को विशेष महत्‍व दिए जाने सहित 70 मिलियन निरक्षरों जिनमें 60 मिलियन महिलाएं शामिल हैं, को साक्षर बनाना है।

**\*\*\*\*\***

**संलग्‍नक**

**''ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता का स्तर'' के संबंध में माननीय संसद सदस्‍य श्री राजीव चन्द्रशेखर द्वारा दिनांक 27.07.2015 को पूछे जाने वाले राज्‍य सभा अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या. 696 के भाग (ख) और (ग) के उत्‍तर में उल्लिखित विवरण।**

छठी पंचवर्षीय योजना (1980-85) से ग्‍यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2007-12) तक प्रारंभिक शिक्षा और प्रौढ़ शिक्षा पर व्‍यय (केन्‍द्र और राज्‍य) का योजना-वार ब्‍यौरा

(रूपए करोड़ में)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| क्षेत्र | VIवीं योजना 1980-85 | VIIवीं योजना 1985-90 | वार्षिक योजना 1990-91 | वार्षिक योजना 1991-92 | VIIIवीं योजना  1992-97 | IXवीं योजना  1997-2002 | Xवीं योजना  2002-07 | XIवीं योजना  2007-12 |
| प्रारम्भिक शिक्षा | 841.39 | 2849.41 | 805.83 | 907.24 | 10393.97 | 26107.42 | 45650.47 | 118708.62 |
| प्रौढ़ शिक्षा | 153.36 | 469.57 | 173.29 | 151.28 | 1142.05 | 785.58 | 1131.12 | 1832.56 |